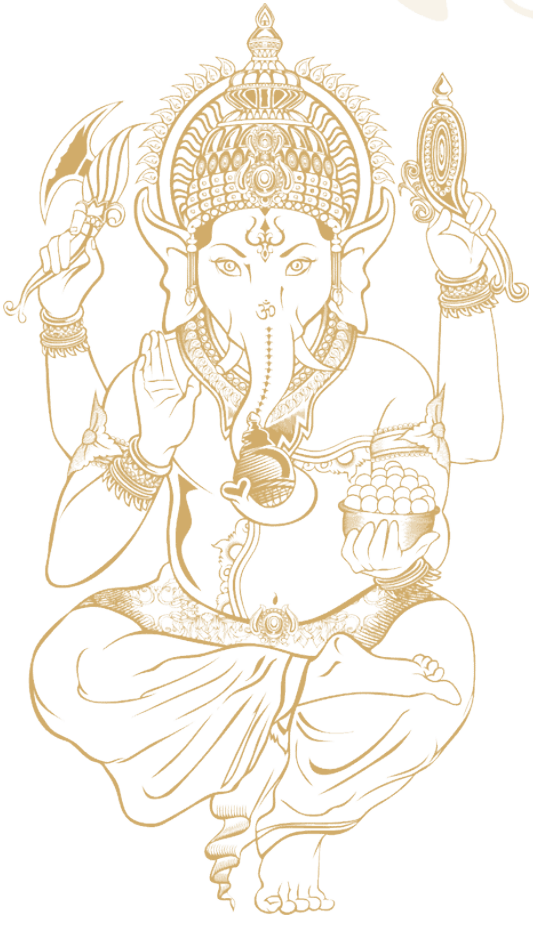

Aditya Kumar giri

24 Sep 2000

03:30 AM

Bokaro

Model: web-freekundliweb

Order No: 121407904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23-24/09/2000**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	54:47:32 घटी
स्थान	**Bokaro**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:51:00 उत्तर
रेखांश	86:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:44:08 घंटे
वेलान्तर	00:07:39 घंटे
साम्पातिक काल	03:56:21 घंटे
सूर्योदय	05:34:59 घंटे
सूर्यास्त	17:41:00 घंटे
दिनमान	12:06:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:18:06 कन्या
लग्न के अंश	08:03:17 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:03:17	323:47:32	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कन्या	07:18:06	00:58:46	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	सम राशि
चंद्र			कर्क	15:06:29	14:22:41	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल			सिंह	10:29:16	00:37:45	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			तुला	00:06:54	01:20:53	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			वृष	17:19:07	00:01:08	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	05:14:59	01:13:21	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
शनि	व		वृष	06:59:55	00:01:14	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	28:21:15	00:02:02	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	28:21:15	00:02:02	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	23:27:40	00:01:30	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप	व		मक	10:03:18	00:00:41	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:36:22	00:01:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	07:20:59	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:46

लग्न-चलित

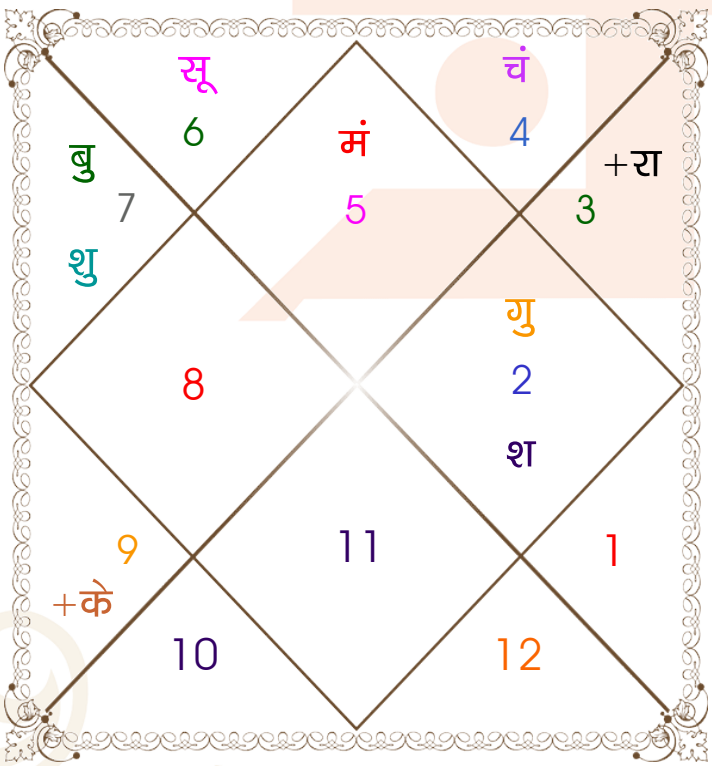

चन्द्र कुंडली

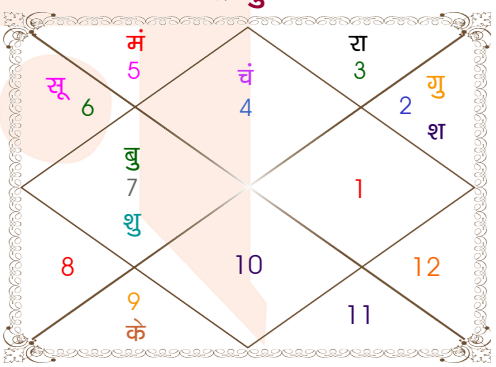

नवमांश कुंडली

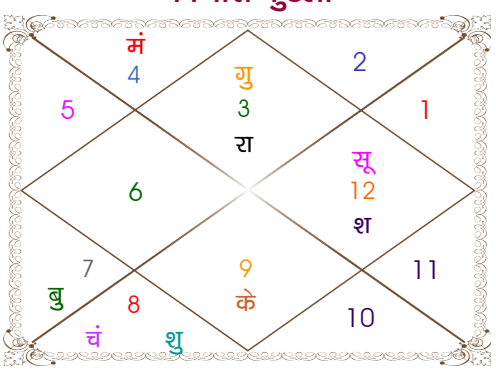

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 2 मास 19 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/09/2000		14/12/2002		14/12/2019		14/12/2026		14/12/2046	
14/12/2002		14/12/2019		14/12/2026		14/12/2046		13/12/2052	
	00/00/0000	बुध	12/05/2005	केतु	11/05/2020	शुक्र	14/04/2030	सूर्य	02/04/2047
	00/00/0000	केतु	09/05/2006	शुक्र	11/07/2021	सूर्य	15/04/2031	चंद्र	02/10/2047
	00/00/0000	शुक्र	09/03/2009	सूर्य	16/11/2021	चंद्र	13/12/2032	मंगल	07/02/2048
	00/00/0000	सूर्य	13/01/2010	चंद्र	17/06/2022	मंगल	13/02/2034	राहु	01/01/2049
	00/00/0000	चंद्र	15/06/2011	मंगल	13/11/2022	राहु	12/02/2037	गुरु	20/10/2049
	00/00/0000	मंगल	11/06/2012	राहु	02/12/2023	गुरु	14/10/2039	शनि	02/10/2050
	00/00/0000	राहु	29/12/2014	गुरु	07/11/2024	शनि	14/12/2042	बुध	08/08/2051
	24/09/2000	गुरु	05/04/2017	शनि	17/12/2025	बुध	14/10/2045	केतु	14/12/2051
गुरु	14/12/2002	शनि	14/12/2019	बुध	14/12/2026	केतु	14/12/2046	शुक्र	13/12/2052

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/12/2052		14/12/2062		14/12/2069		14/12/2087		15/12/2103	
14/12/2062		14/12/2069		14/12/2087		15/12/2103		25/09/2120	
चंद्र	14/10/2053	मंगल	12/05/2063	राहु	26/08/2072	गुरु	31/01/2090	शनि	18/12/2106
मंगल	15/05/2054	राहु	30/05/2064	गुरु	19/01/2075	शनि	14/08/2092	बुध	27/08/2109
राहु	14/11/2055	गुरु	05/05/2065	शनि	25/11/2077	बुध	20/11/2094	केतु	06/10/2110
गुरु	15/03/2057	शनि	14/06/2066	बुध	14/06/2080	केतु	26/10/2095	शुक्र	06/12/2113
शनि	14/10/2058	बुध	11/06/2067	केतु	02/07/2081	शुक्र	26/06/2098	सूर्य	18/11/2114
बुध	14/03/2060	केतु	08/11/2067	शुक्र	02/07/2084	सूर्य	15/04/2099	चंद्र	18/06/2116
केतु	14/10/2060	शुक्र	07/01/2069	सूर्य	27/05/2085	चंद्र	15/08/2100	मंगल	28/07/2117
शुक्र	14/06/2062	सूर्य	15/05/2069	चंद्र	26/11/2086	मंगल	22/07/2101	राहु	03/06/2120
सूर्य	14/12/2062	चंद्र	14/12/2069	मंगल	14/12/2087	राहु	15/12/2103	गुरु	25/09/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 2 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।